vinetur

सितंबर में इटली की वाइन कीमतें 2.3% घटीं, जबकि मुद्रास्फीति तेज़ हुई

Istat ने कहा कि उपभोक्ता कीमतें एक साल पहले की तुलना में 4.2% बढ़ीं, जिससे कमजोर मांग और ऊंची लागत के बीच वाइनरी पर दबाव बढ़ गया।

गुरुवार, 1 अक्टूबर 2026



सितंबर में इटली की उपभोक्ता कीमतें तेज़ी से बढ़ीं, जबकि खुदरा वाइन कीमतों में गिरावट जारी रही, जिससे उन वाइनरी पर दबाव और बढ़ गया जो पहले से ही कमजोर मांग और ऊंची परिचालन लागत से जूझ रही हैं।

इटली की राष्ट्रीय सांख्यिकी एजेंसी Istat द्वारा जारी प्रारंभिक मुद्रास्फीति आंकड़ों में दिखा कि राष्ट्रीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक अगस्त की तुलना में 0.7% और सितंबर 2025 की तुलना में 4.2% बढ़ा। यह अगस्त में दर्ज 3.3% की वार्षिक दर से स्पष्ट तेज़ी थी।

इसी दौरान, वाइन ने उलटी दिशा पकड़ी। Unione Italiana Vini, या UIV, द्वारा उद्धृत उन्हीं प्रारंभिक अनुमानों के अनुसार, वाइन की कीमतें अगस्त की तुलना में 0.3% घटीं और एक साल पहले की तुलना में 2.3% नीचे रहीं।

इतालवी वाइन व्यापार संघ UIV ने कहा कि व्यापक उपभोक्ता मुद्रास्फीति और गिरती वाइन कीमतों के बीच का अंतर

क्षेत्र के लिए एक गंभीर चेतावनी संकेत बन गया है। गुरुवार को जारी एक बयान में, समूह ने कहा कि यह रुझान खुदरा स्तर पर वाइन में डिफ्लेशन के जोखिम को बढ़ाता है, यानी उत्पादकों को ऐसे बाजार में बिक्री करनी पड़ रही है जहां शेल्फ कीमतें घट रही हैं, जबकि कई लागतें बढ़ती जा रही हैं।

Istat के प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में समग्र मुद्रास्फीति में बढ़ोतरी मुख्य रूप से ऊर्जा और खाद्य श्रेणियों से हुई। विनियमित ऊर्जा कीमतें अगस्त के 18.6% से बढ़कर वार्षिक आधार पर 25.9% हो गईं, जबकि अनियमित ऊर्जा 17.0% से बढ़कर 22.2% पर पहुंच गई। अप्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों में भी तेजी आई, जो पिछले महीने की 3.8% वृद्धि के बाद 5.5% बढ़ गए।

घरेलू खर्च के अन्य हिस्से भी महंगे हुए। मनोरंजन, सांस्कृतिक और व्यक्तिगत देखभाल सेवाओं की कीमतें वार्षिक आधार पर 2.9% की दर से बढ़ीं, जो अगस्त के 2.6% से अधिक है। परिवहन-संबंधी सेवाएं 1.6% बढ़ीं, जबकि एक महीने पहले यह 0.8% थी।

इस पृष्ठभूमि में, वाइन कीमतों में गिरावट खास तौर पर ध्यान खींचती है, क्योंकि यह संकेत देती है कि यह क्षेत्र बढ़ती लागत को उपभोक्ताओं पर नहीं डाल रहा है। UIV ने कहा कि इतालवी वाइनरी को कम कीमतों और कमजोर खपत के लंबे असर दोनों से राजस्व पर दबाव झेलना पड़ रहा है, जो मात्रा पर भी असर डाल रहे हैं।

संघ ने इस स्थिति को वाइन उद्योग के लिए संभावित रूप से अस्थिर करने वाला बताया। उसने कहा कि कीमतों में गिरावट और मांग में नरमी का संयोजन पूरी आपूर्ति श्रृंखला में मार्जिन को दबा सकता है और क्षेत्र में संकुचन का जोखिम बढ़ा सकता है। UIV ने आगे गिरावट रोकने के लिए सार्वजनिक संस्थानों से कार्रवाई की अपील की और चेतावनी दी कि हालात बिगड़ने पर नौकरियों के नुकसान और कृषि भूमि के परित्याग की आशंका है।

सितंबर के आंकड़े उस पैटर्न में और इजाफा करते हैं, जिसके बारे में संघ ने कहा कि वह कई महीनों से बन रहा है। जबकि मुद्रास्फीति इटली की आर्थिक बहस के केंद्र में लौट आई है, वाइन स्टोर शेल्फ पर अपना मूल्य खोती रही है। उत्पादकों के लिए यह एक कठिन माहौल बनाता है : श्रम, ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स, पैकेजिंग और कृषि इनपुट पर दबाव बना रह सकता है, लेकिन अंतिम बिक्री मूल्य उन बढ़ोतरी को नहीं दिखाता।

यह विचलन खास तौर पर ऐसे देश में महत्वपूर्ण है जहां वाइन एक प्रमुख कृषि और निर्यात उत्पाद है, और जहां कई उत्पादक छोटे या मध्यम आकार के व्यवसाय हैं, जिनके पास लंबे समय तक मार्जिन दबाव झेलने की सीमित गुंजाइश है। शेल्फ कीमतों में गिरावट अल्पकाल में उपभोक्ताओं को राहत दे सकती है, लेकिन यदि यह जारी रहती है जबकि लागत ऊंची बनी रहती है, तो उत्पादकों को निवेश घटाना, उत्पादन कम करना या मूल्य निर्धारण और प्रमोशन रणनीतियों पर फिर से विचार करना पड़ सकता है।

यह घटनाक्रम वाइन से परे भी मायने रखता है। व्यापक ड्रिंक्स बाजार में, वाइन कीमतों में लंबे समय तक गिरावट खुदरा स्तर पर प्रतिस्पर्धा तेज़ कर सकती है और बीयर, स्पिरिट्स और अन्य पेय श्रेणियों में वाणिज्यिक निर्णयों पर दबाव डाल सकती है। यदि एक प्रमुख श्रेणी इनपुट लागत ऊंची रहने के बावजूद लगातार छूट देती रहती है, तो इससे पूरे सेक्टर में मार्जिन, प्रमोशन और ब्रांड पोजिशनिंग प्रभावित हो सकती है, भले ही इसका पूरा असर अभी स्पष्ट न हो।

UIV की चेतावनी उस समय आई है जब कई यूरोपीय पेय उत्पादक लागत मुद्रास्फीति और सतर्क उपभोक्ता खर्च के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे माहौल में, इतालवी आंकड़े संकेत देते हैं कि वाइन उपभोक्ता टोकरी के बाकी हिस्सों से अलग चरण में प्रवेश कर सकती है, जहां कीमतें बढ़ने के बजाय कमजोर पड़ रही हैं।

संघ का बयान Istat के सितंबर के प्रारंभिक अनुमानों पर आधारित था, जो अंतिम आंकड़े प्रकाशित होने से पहले मुद्रास्फीति रुझानों की शुरुआती झलक देते हैं। फिर भी, मौजूदा आंकड़ों में अंतर स्पष्ट है : इटली में उपभोक्ता कीमतें फिर से तेज़ी से बढ़ रही हैं, लेकिन वाइन सस्ती हो रही है। वाइनरी के लिए इसका मतलब है कि मुद्रास्फीति की सामान्य कहानी देश के सबसे महत्वपूर्ण पेय उद्योगों में से एक पर उसी तरह लागू नहीं होती।